सिल्वर वेडिंग कहानी व उपन्यास में बदलते जीवन मूल्यों का चित्रण

डॉ प्रियंका शर्मा, सहायक आचार्य हिंदी, राजकीय कन्या महविद्यालय, सुजानगढ़

Abstract

'सिल्वर वैडिंग कहानी वर्तमान युग में बदलते जीवन मूल्यों की कहानी है। इस कहानी के प्रमुख पात्र यशोधर पंत प्राचीन मूल्यों व संस्कारों के प्रतीक है जो अपने परंपरागत आदर्शों और संस्कारों को अपने जीवन से जोड़कर जीवित रखना चाहते है। वहीं दूसरी ओर उनके बच्चे नए युग का प्रतिनिधित्व करते है जो नए जमाने के बदलते परिवेश के हिसाब से जीवन जीने के दिखावे में विश्वास रखते है। यशोधर का बेटा भूषण व की बेटी में वर्तमान समय के बदलते जीवन मूल्यों की झलक दिखलाई देती है। कहानी में भी इसी नई पीढ़ी व पुरानी पीढी के बीच के सोच मानसिक विचार धारा के दृद्ध को दर्शाया गया है। इस कहानी के द्वारा उन्होंने पुरानी पीढी व युवा पीढी के विचारों व आधुनिक जीबन शैली के तौर तरीकों के अंतर को स्पष्ट करने का सफल प्रयत्न किया है। कहानी के मुख्य पात्रों में यशोधर बाबू, उनकी पत्नी, उनके बच्चे व किशनेदा आदि शामिल हैं।

उपन्यास 'सिल्वर वेडिंग शीर्षक से आयरिश लेखिका मेव बिनची द्वारा 1988 में लिखा गया एक उपन्यास भी है। यह उपन्यास एक दम्पति और उनके परिवार और दोस्तों के जीवन और आआंतरिक भावनाओं की खोज करता है जो जोड़े की 25वी शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं।

यह कथानक आयरलैंड के मूल निवासी डेसमंड और डेड़े ठॉयल की आगामी 25वीं शादी की सालगिरह के जश्न की योजना के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपनी शादी के बाद काफी समय से लदन में रहते हैं। उन्होंने दो लड़कियों और एक लड़के को पाला है. जिनमें से सभी निराशाजनक साबित हुए हैं। पार्टी की योजना बनाने का भार सबसे बड़ी अन्ना पर पड़ता है. जो एक किताब की दुकान में काम करती है। भाई ब्रेंडन बहुत पहले ही परिवार छोड़कर पश्चिम आयरलैंड में अपने चाचा के खेत पर रहने चले गए थे और उनके आने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। सबसे छोटी बहन हेलेन, जो नन के रूप में स्वीकार किए जाने की कोशिश में लगातार परेशानी में पड रही है. वह बिल्कुल भी मदद नहीं करेगी। जैसे-जैसे उपन्यास आगे बढ़ता है. प्रत्येक पात्र एक व्यक्तिगत सकट का सामना करता हुआ दिखाई देता है और उसे अपनी चुनौतियों से निपटने के तरीके स्वयं को ही खोजने पड़ते हैं। डेसमड और डेड़े भी व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन के विकल्पों को लेकर संदेह और गलतफहमी से जूझते हैं।

उपन्यास का विचार बिनची को बस में दो लड़कियों के बीच बातचीत सुनने के बाद आया। पहली लड़की ने अपनी सहेली को बताया कि उसके माता-पिता की शादी की रजत जयती आ रही है और उसे कार्ड भेजना याद रखना है। उसकी सहेली ने पूछा कि क्या कोई पार्टी की योजना है। पहली लड़की ने जवाब दिया 'नहीं, यह एक भयानक शादी है लेकिन शादी जितनी खराब होगी, कार्ड उतना ही बड़ा होगा। बीनची को लड़की की स्थिति के प्रति भयानक तथ्यात्मक स्वीकृति से झटका लगा और उसने एक उपन्यास की कल्पना की जिसमें प्रत्येक चरित्र की नाखुशी का समाधान मिलेगा।

यह उपन्यास यूनाइटेड किंगडम में सेंचुरी द्वारा 1988 में और संयुक्त राज्य अमेरिका में डेलाकोर्ट प्रेस द्वारा 1989 में प्रकाशित हुआ था।

मनोहर श्याम जोशी की कहानी और मेव बिनची के उपन्यास की तुलना

सिल्वर वेडिंग, आयरिश लेखिका मेव बिनची द्वारा लिखा गया एक उपन्यास है। यह उपन्यास साल 1988 में प्रकाशित हुआ था। वहीं, 'सिल्वर वेडिंग नाम की एक कहानी भी है. जिसे मनोहर श्याम जोशी ने लिखा था।

सिल्वर वेडिंग उपन्यास की कहानी:

1. यह उपन्यास एक जोडे और उनके परिवार और वोस्तों के जीवन और भावनाओं पर केंद्रित है।
2. यह उपन्यास लंदन, डबलिन, और आयरलैंड के पश्चिमी भाग में स्थापित है।

सिल्वर वेडिंग की कहानी:

1. यह कहानी के प्रमुख केन्द्रीय पात्र यशोधर बाबू के जीवन पर आधारित है।
2. यशोधर बाबू परंपरागत मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति है. जबकि उनके बच्चे नई पीढ़ी व पाश्चात्य संस्कृति के परिवेश में अपने आपको दिखाने का प्रयास करते हैं।
3. यशोधर बाबू की शादी की 25वीं सालगिरह पर उनके बच्चे एक पार्टी का आयोजन करते हैं।
4. इस कहानी में आधुनिक दिखावटी जीवन-शैली और पारंपरिक संस्कारों के टकराव को बखूबी दिखाया गया है।
5. इस कहानी में हमें यह दिखाई देता है कि दो पीढ़ियों के बीच पारम्परिक और आधुनिक वैचारिक मतभेद होता है।